University in News on 26 September 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

टैगोर लाइब्रेरी से जुड़ेंगे डिग्री कॉलेजों के पुस्तकालय

लविवि के विभिन्न विभागों को भी जोड़ने का तैयार हुआ प्रस्ताव

महाविद्यालयों के छात्रों को मिलेगा फायदा, पढ़ सकेंगे किताबें

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय टैगोर लाइब्रेरी का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इसमें शहर के एडेड डिग्री कॉलेजों के पुस्तकालयों को ऑनलाइन टैगोर लाइब्रेरी से जोड़ा जाएगा, जिससे कॉलेज के छात्र भी यहां की पुस्तकें पढ़कर लाभ ले सकेंगे। इसकी शुरुआत सबसे पहले लविवि के विभागों को लाइब्रेरी से जोड़कर की जाएगी।

लविवि की टैगोर लाइब्रेरी का हो रहा विस्तार। -संवाद

इसका प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। इसके लिए विभागों में मौजूद किताबों का डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इसके बाद इसे टैगोर लाइब्रेरी सर्वर से जोड़ दिया जाएगा, जिससे पढ़ने वाले विद्यार्थियों को एक क्लिक में यह जानकारी मिल जाएगी कि कौन सी किताब विभाग और लाइब्रेरी की किस दराज में मौजूद है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मानद लाइब्रेरियन प्रो. डीआर साहू ने बताया कि टैगोर लाइब्रेरी पुस्तकों का बड़ा खजाना है। ये किताबें बेशकीमती और धरोहर के तौर पर पुस्तकालय का हिस्सा हैं। जिन पुस्तकों की कई प्रतियां लाइब्रेरी में मौजूद हैं, उन्हें विभागों में भेजने का निर्णय लिया गया है। इससे लाइब्रेरी में नई किताबों के लिए जगह बनेगी और छात्रों के पास विकल्प बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि हम विभागों में भेजी गई किताबों और वहां मौजूद किताबों का रिकॉर्ड तैयार करवा रहे हैं, जिसे बाद में पुस्तकालय के रिकॉर्ड से जोड़ दिया जाएगा। विभागों को पुस्तकालय से जोड़ने के बाद एडेड डिग्री कॉलेजों के पुस्तकालयों को भी इससे जोड़ेंगे, जिससे वहां के छात्र लाभान्वित हो सकें। श्री जय नारायण मिश्र (केकेसी) पीजी कॉलेज सबसे पहले टैगोर लाइब्रेरी से खुद को जोड़ने के लिए तैयारी कर रहा है।

और ऑस्ट्रेलिया से वापस आई लविवि की किताब

प्रो. साहू ने बताया कि समाजशास्त्र विभाग के संस्थापक रहे प्रो. राधाकमल मुखर्जी की किताब द माइग्रेंट एशिया जो 1936 में लिखी गई थी, वह टैगोर लाइब्रेरी के रिकॉर्ड में तो थी, लेकिन लाइब्रेरी में नहीं मौजूद थी। हमने खोजना शुरू किया तो पता चला कि उसकी एक प्रति ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न लाइब्रेरी में है। हमने वहां से इसकी सॉफ्ट कॉपी मंगा ली है। अब इसे किताब की शक्ल दी जा रही है। हालांकि, किताब की एक प्रति उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी मौजूद है।

समाज को एक सूत्र में बांधे रहता है न्याय

लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग में आयोजित हुआ सेमिनार

माई सिटी रिपोर्टर

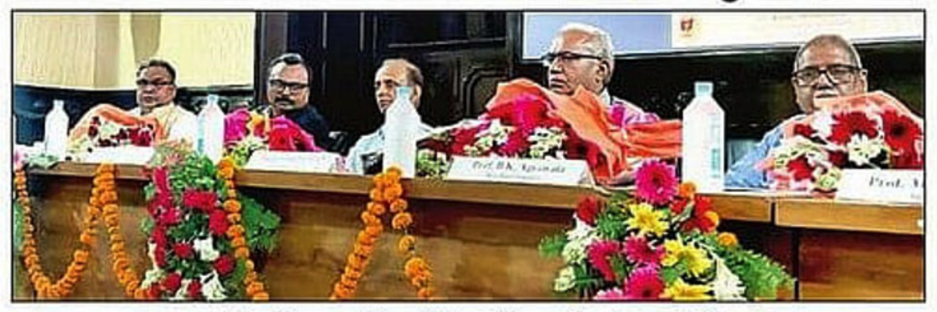
लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में शामिल अतिथि। -संवाद

लखनऊ। भगवतगीता के अनुसार न्याय वह सूत्र है जो समाज को एक साथ बांधे रहता है। यह सूत्र कमजोर होने पर समाज छिन्न-भिन्न हो जाता है। इसलिए हमें भगवतगीता पर ध्यान देने की जरूरत है। ये बातें शिलांग यूनिवर्सिटी के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बीके अग्रवाल ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में कहीं।

समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह, पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने व्याख्यान में भारतीय से लेकर पश्चिमी परिप्रेक्ष्य तक न्याय की अवधारणा को छुआ। उन्होंने भारत में न्याय के चार क्षेत्रों को बताया जिसमें सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, एवं विधिक शामिल हैं। कहा, सामाजिक न्याय हमेशा भारतीय संविधान की नींव रहा है।

दर्शनशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव ने सेमिनार की थीम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि न्याय का संप्रत्यय सदा ही बदलता रहता है तथा यह बहुआयामी है। प्लेटो, अरस्तू से शुरू होकर राल्स, अमर्त्य सेन तक सभी पश्चमी विचारकों ने न्याय पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में महाकाव्यों तथा पुराणों में धर्म को न्याय के समकक्ष रखते हुए न्याय की अवधारणा मिलती हैं। दिल्ली विवि के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रोफेसर पी केशव कुमार ने कहा कि न्याय सरल, महान और समाज में व्याप्त असमानताओं को दूर करने वाला होना चाहिए। प्रो. मानुका खन्ना ने समसामयिक, वैश्विक, राजनैतिक विचारों तथा समसामयिक मानवता के मुद्दों पर विचार व्यक्त किए।

डीन प्रो. अरविंद अवस्थी ने न्याय की उत्पत्ति तथा मनुस्मृति व अर्थशास्त्र का उदाहरण देते हुए न्याय एवं धर्म की व्यक्तिगत जीवन में भूमिका बताई। इस मौके पर विभिन्न विद्वानों ने अपने शोधपत्र पढ़े।

अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय मिलना अंत्योदय

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। किसी भी समृद्ध समाज के लिए यह आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी व्यवस्था के केंद्र में लाने के प्रयास किए जाएं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार वर्तमान समय में भी प्रासंगिक हैं। भारतीय दृष्टिकोण विश्व में मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। ये बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय ने कहीं।

वह सोमवार को पं. दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर शोध पीठ की ओर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर विभाग व एक कोशिश ऐसी भी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर भी लगाया गया, जिसमें लविवि के एनसीसी 64 बटालियन के कैडेट्स, विद्यार्थियों व शिक्षकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में प्रो. राज कुमार सिंह, प्रो. डीके. सिंह, प्रो. राकेश द्विवेदी, डॉ. रूपेश कुमार, डॉ. रोहित मिश्र, डॉ. रजनीश यादव व चंद्रशेखर वर्मा आदि मौजूद रहे।

पं. दीनदयाल की जयंती पर लविवि में लगा रक्तदान शिविर। -संवाद

भाषा विश्वविद्यालय में आयोजित की गई संगोष्ठी। -संवाद

- भाषा विवि में पं. दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता सह संगठन मंत्री विद्या भारती यतींद्र कुमार ने कहा कि पं. दीन दयाल ने भारतीय संस्कृति के दर्शन को ही अंतिम व्यक्ति का दर्शन बताया। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने कहा कि विभिन्न कालखंड में समाज में दिशा देने के लिए महापुरुषों का आगमन होता रहा है। समाज के नीचे और ऊपर के व्यक्ति को आपस में जोड़कर ही राष्ट्र का निर्माण संभव है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि माधवेंद्र सिंह, प्रो. चंदना डे, डॉ. लक्ष्मण सिंह, प्रो. सैय्यद हैदर अली, डॉ. प्रवीन राय, डॉ. पूनम चौधरी व डॉ. रमेश वर्मा मौजूद रहे।
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी के नेतृत्व में पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रश्मि बिश्नोई ने व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शिवानी श्रीवास्तव ने दिया। इस मौके पर प्राध्यापक डॉ. संजय बरनवाल, डॉ. विशाल प्रताप सिंह, डॉ. सपना जायसवाल व डॉ. क्रांति सिंह आदि मौजूद रहीं।
- बीएसएनवी पीजी कॉलेज (केकेवी) में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान अवध प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर ''भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में एकात्म मानववाद'' विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय प्रो. देवेंद्र शर्मा ने कहा कि पं. दीन दयाल समाज के अंतिम व्यक्ति को विकसित और खुश देखना चाहते थे। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. संजय मिश्रा, टीएन मिश्रा, डॉ. मञ्जुल त्रिवेदी, प्रो. जयशंकर पांडेय सहित महाविद्यालय के शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सुपर 30 के लिए हुई परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं को नेट जेआरएफ की निशुल्क तैयारी कराने के लिए सोमवार को परिसर में सुपर 30 प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें विभाग के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा का आयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. राममिलन के नेतृत्व में किया गया। (संवाद)

छात्रों को समझाई कानून की बारीकियां

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में सोमवार नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधिक सहायता केंद्र ने अपने आदर्श वाक्य सभी के लिए न्याय तक समान पहुंच के बारे में नए विद्यार्थियों को बताया। अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. बीडी सिंह ने नए छात्रों को कानून की पढ़ाई और उससे संबंधित बारीकियों के बारे में बताया। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू, बीएचयू, एकेटीयू, एमिटी, अवध विवि, एरा विवि, इंटीग्रल के छात्रों ने किया प्रतिभाग

फार्मेसी दिवस पर दिखाई प्रतिभा

आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में विश्व फार्मेसी दिवस पर डीएसडब्ल्यू संगीता साहू ने हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया। इसमें नवीन परिसर स्थित महिला छात्रावास की छात्राओं का थायरॉइड एवं ब्लड टेस्ट किया गया।

छात्र-छात्राओं के बीच अंतर विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ, जिसमें रंगोली, पोस्टर प्रेजेंटेशन, नुक्कड़-नाटक एवं इनोवेटिव आईडिया या साइंटिफिक प्रेजेंटेशन, स्टोरी टेलिंग और फार्माटून्स जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें एलयू, बीएचयू, एकेटीयू, एमिटी विवि, अवध विवि, एरा विवि, इंटीग्रल विवि सहित कई अन्य कॉलेजों के 350 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. जीएन सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि वीर अंजनी सक्सेना, असिस्टेंट कमिश्नर दिनेश तिवारी, असिस्टेंट कमिश्नर बृजेश कुमार रहे।

एलयू में सोमवार को में विश्व फार्मेसी दिवस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ।

प्रतियोगिताओं में इन्होंने मारी बाजी

- इनोवेटिव आईडिया या साइंटिफिक प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान एलयू की कृति सिंह ने प्राप्त किया।
- पोस्टर प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान पर एलयू के फैजान और देवाशीष यादव रहे।
- नुक्कड़ नाटक में विजेता रामेश्वरम इंस्टीट्यूट की करन एंड टीम रही।
- रंगोली प्रतियोगिता में 15 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रथम टीम की विजेता एलयू की इशिका, ऋषिका राय और साक्षी रही।
- फार्माटून्स प्रतियोगिता में 15 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रथम टीम के विजेता एलयू के पवन भारती रहे।
- स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता में पांच टीमों ने हिस्सा लिया। प्रथम टीम की विजेता पल्लवी सिंह रही।

ऑनलाइन क्विज में 651 छात्रों ने किया प्रतिभाग: ऑनलाइन क्विज ॥ 651 छात्रों ने प्रतिभाग लिया। इसमें महाराणा प्रताप कॉलेज ऑफ फार्मेसी कानपुर के जय मैसी, अवध विवि के प्रभात मिश्रा, दिव्या तिवारी, आईटीएस कॉलेज गाजियाबाद के विभास शर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया। ग

फार्मासिस्ट को सम्मान दिलाएगी सरकार

बाबूगंज पशुपालन विभाग के सभागार में फार्मासिस्ट फेडरेशन ने कार्यक्रम किया। यहां भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा कि फार्मासिस्टों का सम्मान बढ़ाने के लिए सरकार कार्य करेगी। मुख्यमंत्री के समक्ष जल्द मांगों को रखा जाएगा। पर्वतारोही पद्मश्री डॉ. अरुणिमा सिन्हा ने कहा कि कभी कोई चीज असंभव नहीं मानना चाहिए। एक फार्मासिस्ट की वजह से ही आज हम जीवित हैं।

अंगदान का संदेश

दुर्घटना या बीमारी से किसी व्यक्ति का अंग काम करना बंद कर दे तो अंग प्रत्यारोपण से वह लंबा जीवन जी सकता है। कुछ इन्हीं बातों को रंगोली पोस्टर पर छात्र-छात्राओं ने उकेर कर अंगदान महादान का संदेश दिया। सरोजनी नगर गौरी रोड स्थित गौतम बुद्ध कॉलेज ऑफ फार्मेसी में कार्यक्रम का उद्घाटन सोमिल कुशवाहा, वैज्ञानिक डॉ. धीरेंद्र, डॉ. रजनीश सिंह, डॉ. धीरेंद्र, रोहित भसीन, डॉ. अमित श्रीवास्तव ने किया।

सभी भाषाएं देवनागरी लिपि में लिखने की मांग

लखनऊ। एलयू में हिंदी विभाग ने भारत की एकता, देवनागरी लिपि पर संगोष्ठी कराई। मुख्य वक्ता देवनागरी लिपि परिषद दिल्ली के डॉ. हरिपाल सिंह ने कहा कि भारत का भाषायी विवाद सुलझाने के लिए सभी भाषाओं को देवनागरी लिपि लिखना चाहिए। देवनागरी लिपि ब्राह्मी लिपि से विकसित हुई है। संविधान की अष्टम सूची में स्वीकृत 22 भाषाओं में 10 की लिपि देवनागरी है।

एमपीएड में च्वाइस फिलिंग कल तक दे सकेंगे

लखनऊ। एलयू में परास्नातक प्रवेश सत्र 2023-24 के तहत सोमवार से एमपीएड की च्वाइस फिलिंग शुरू हो गई है। अभ्यर्थी एलयू की वेबसाइट पर जाकर 27 तक च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आधिकारिक वेबसाइट के एडमिशन पेज पर जाकर अपनी लॉग इन आईडी व पासवर्ड के जरिए च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं।

डॉ. मनीषा को बीरबल साहनी का अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। एलयू के रसायन विज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. मनीषा शुक्ला को बीरबल साहनी हॉल का अतिरिक्त प्रवोस्ट नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था न होने तक वह इस पद पर बनी रहेंगी।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ

विज्ञापन संख्याः R/01/2023 दिनांकः 05/09/2023

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में आचार्य, सह आचार्य एवं सहायक आचार्य (नियमित) के पदों पर नियुक्ति/चयन हेतु भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत विज्ञापन तथा आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाईट www.lkouniv.ac.in में CAREERS Menu पर अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि 30.09.2023 है। पूर्व में निर्गत क्रमशः विज्ञापन संख्या आर0/07/2021 दिनांक 08.09.2021. आर0/01/2022 दिनांक 02.05.2022, आर0/03/2022 दिनांक 18.07.2022, आर0/04/22 दिनांक 09.11.2022 व आर0/05/22 दिनांक 09.11.2022 के क्रम में जिन पदों पर चयन की प्रक्रिया अभी सम्पन्न नहीं हो सकी है उसके सापेक्ष आवेदित अभ्यर्थियों को पुनः आवेदन की आवश्यकता नहीं होगी। यदि वह अपने आवेदन पत्र में कोई उन्नयन/संशोधन चाहते है तो कर सकते है।

कुलसचिव

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : नए कालेजों व कोर्सों की संबद्धता के लिए आवेदन शुरू

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 के लिए नए कालेजों एवं पुराने कालेजों में नए पाठ्यक्रमों की अनापत्ति एवं सम्बद्धता के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। कालेज 15 दिसंबर तक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में आनलाइन जमा किए गए प्रस्तावों के भूमि संबंधी अभिलेखों का राज्य विभाग से सत्यापन 15 से 20 जनवरी तक होगा।

कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 31 जनवरी तक अनापत्ति आदेश जारी किया जाएगा। अनापत्ति आदेश के खिलाफ शासन में अपील करने की तिथि 10 फरवरी तक रहेगी। उन्होंने बताया कि एनओसी का आदेश जारी होने के बाद संस्था द्वारा 28 फरवरी तक निरीक्षण मंडल के गठन के लिए आवेदन करना होगा। पांच मार्च तक विश्वविद्यालय यह प्रक्रिया पूरी करेगा। निरीक्षण मंडल की रिपोर्ट छह अप्रैल तक जमा करनी होगी। 20 अप्रैल तक विश्वविद्यालय आनलाइन सम्बद्धता देगा।

इन्हें दिया गया मौका : पूर्व से संचालित ऐसे पाठ्यक्रम जिनकी सम्बद्धता 30 जून को समाप्त होने वाली है। उन्हें 2024-25 से स्थायी सहयुक्तता के लिए आनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर निरीक्षण मंडल प्राप्त कर स्थलीय निरीक्षण का प्रस्ताव समय सारिणी के अनुसार भेजना होगा। अन्यता ऐसे पाठ्यक्रमों में अगले सत्र से प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

एम.एड में च्वाइस फिलिंग कल तक : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एम.पीएड कोर्स में दाखिले के लिए च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया सोमवार शाम से शुरू कर दी है। अभ्यर्थी 27 सितंबर तक च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं। आनलाइन काउंसिलिंग एवं च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया का विस्तृत विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एलयूआरएन पोर्टल खोलने की मांग

लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध डिग्री कालेजों के प्राचार्यों से लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन पोर्टल (एलयूआरएन) फिर से खोलने की मांग की है। कालेजों का कहना है कि अभी स्नातक व परास्नातक में काफी सीटें खाली हैं। ऐसे में पोर्टल बंद होने से नए अभ्यर्थी प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। कालीचरण पीजी कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर चंद्र मोहन उपाध्याय ने बताया कि स्नातक व परास्नातक में सीटें बची हैं। लेकिन एलयूआरएन पोर्टल 22 सितंबर को बंद हो चुका है। कई अभ्यर्थी बिना प्रवेश के लौट चुके हैं। इसलिए दो अक्टूबर तक पोर्टल खोलना चाहिए ताकि जो अभ्यर्थी रह गए हैं, वह प्रवेश ले सकें।

लवि : कार्यों का हुआ आवंटन, जिम्मेदारी तय

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के आवेदन से लेकर अन्य कार्यों के लिए इधर-उधर दौड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रोफेसर संगीता साहू ने अपनी टीम के सदस्यों को अलग-अलग कार्यों का आवंटन करते हुए जिम्मेदारी तय कर दी है। टीम के सदस्य निगरानी कर निस्तारण करेंगे। इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।

डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर संगीता साहू ने बताया कि कैंपस में हास्टल, कैंटीन, पीने का पानी, सेनिटेशन आदि की निगरानी अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर अशोक कुमार कैथल व उनकी छह सदस्यीय टीम करेगी। छात्र कल्याण छात्रवृत्ति, कर्मयोगी, कर्मोदय, शोध मेधा, जेआरएफ/एसआरएफ छात्रवृत्ति की मानीटरिंग सांख्यिकी विभाग की प्रोफेसर शशि भूषण एवं उनकी तीन सदस्यीय टीम करके विद्यार्थियों की दिक्कतों को भी दूर करेगी। इसी तरह वीसी केयर फंड, ओपीडी आदि के लिए केमिस्ट्री के प्रोफेसर विजय कुमार राय की टीम, मेधावी छात्र परिषद के लिए बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के डा. मोहम्मद अनीस की टीम, हेल्थ केयर व चाइल्ड केयर सेंटर के लिए बायो केमिस्ट्री की डा. कुसुम यादव व उनकी टीम तथा स्टूडेंट्स एक्टिविटी के लिए अंग्रेजी विभाग के डा. विनीत मैक्सवेल डेविड की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, कम्युनिकेशन के लिए जूलाजी की डा. आकांक्षा शर्मा की टीम रहेगी।

प्रयोगात्मक परीक्षा चार को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं कालेजों के बी.एससी. दूसरे सेमेस्टर केमिस्ट्री के छूटे विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा चार अक्टूबर को होगी। छात्र-छात्राओं को पांच सौ रुपये आनलाइन फीस पोर्टल पर जमा करने होंगे। परीक्षा के समय द्वितीय सेमेस्टर का एडमिट कार्ड, मूल फीस रसीद व पहचान पत्र लेकर सुबह नौ बजे उपस्थित होना होगा। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने इसकी नोटिस वेबसाइट पर जारी की है। (जासं)

अतिरिक्त चार्ज दिया

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग की शिक्षिका डा. मनीषा शुक्ला को नई व्यवस्था होने तक बीरबल साहनी हास्टल के प्रोवोस्ट पद का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इसका आदेश जारी कर दिया। (जासं)

व्यवसाय शुरू करने के बताए तरीके

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज "उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए उद्यमिता सहायता और सलाह" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने कहा कि नए उद्यमियों को सलाह देने के लिए आज उद्यमिता आवश्यक है। यह बिजनेस स्टार्ट-अप के लिए बहुत प्रेरक है। (जासं)

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर हुई प्रतियोगिताएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में सोमवार को विश्व फार्मासिस्ट डे मनाया गया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू ने हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया। इसमें सभी महिला छात्रावास में रहने वाली छात्राओं का थायराइड एवं ब्लड टेस्ट किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के बीच अंतर विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धा के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रेजेंटेशन, नुक्कड़-नाटक एवं इनोवेटिव आइडिया, साइंटिफिक प्रेजेंटेशन, स्टोरी टेलिंग आदि प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डा. जीएन सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ-साथ उप्र ड्रग मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन के वीर अंजनी सिंह, एफडीए मुख्यालय के असिस्टेंट कमिश्नर दिनेश तिवारी, असिस्टेंट कमिश्नर (ड्रग) बृजेश कुमार, सिविल हास्पिटल के चीफ फार्मासिस्ट अजय कुमार मिश्रा को अपने क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सुपर 30 की प्रवेश परीक्षा

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से सोमवार को 'सुपर 30' प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इसमें विश्वविद्यालय के एमकाम के विद्यार्थी शामिल हुए। विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राम मिलन ने बताया कि सुपर 30 के माध्यम से चयनित छात्र-छात्राओं को नेट, जेआरएफ प्रतियोगी परीक्षा की फ्री तैयारी कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी कर कक्षाएं शुरू होंगी। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में आयोजित हुई प्रतियोगी परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से अपने एम काम वाणिज्य के छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क नेट व जेआरएफ प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया। सुपर-30 3.0 प्रवेश परीक्षा का आयोजन में विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन की भूमिका अहम थी।

लखनऊ विवि : बीटेक बीफार्मा में आवेदन शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बीटेक, बीफार्मा लेट्रल इंट्री कार्यक्रम के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। अंतिम तिथि 30 है। अभ्यर्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट से आवेदन कर सकेंगे। एलयू में सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में बीटेक लेट्रल एंट्री, बीफार्मा लेट्रल इंट्री पाठ्यक्रम में आवेदन की शुरुआत हो गई है। इन पाठ्यक्रमों में वही अभ्यर्थी आवेदन के योग्य होंगे, जिन्होंने सीयूईटी- 2023 क्वालीफाई कर रखा हो।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

समूह नृत्य के माध्यम से समझाया रक्तदान का महत्व

लविवि में मनाई दीन दयाल उपाध्याय की जयंती

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान तीन व्यक्तियों की जिंदगियां बचाता है हमें नियमित अंतराल पर रक्तदान करते रहना चाहिए इससे शरीर स्वस्थ्य रहता है और चित्त भी शांत रहता है। एक व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता होने के नाते मेरा ये कर्तव्य है कि हम पीड़ितों की सेवा में लगे रहें और मानवता की रक्षा करें। उक्त बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो.अनूप कुमार भारतीय ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कही। आगे उन्होंने कहा कि हम किसी को दान दें या न दें लेकिन रक्तदान करते रहें क्योंकि इससे जीवन के साथ-साथ समाज को भी बचाया जा सकता है। यह कार्यक्रम कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल की प्रेरणा और हमारे कुलपति प्रो.अलोक कुमार राय के कुशल मार्गदर्शन से हो रहा है। ज्ञातव्य है,कि उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने लविवि के समाज कार्य विभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना की है जिसका कार्य पंडित जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर शोध कार्यों को आगे बढ़ाना है साथ ही अन्त्योदय के तहत समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का मार्ग भी प्रशस्त करना है,जिससे सामाजिक विकास के कार्यों को प्रोत्साहन मिले। इसी क्रम में आज उनकी जयंती पर शोध पीठ और एक कोशिश ऐसी भी सामाजिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों,विवि के एनसीसी 64 बटालियन के कैडेट्स और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में सामाजिक संस्था के किशोर बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उन्होंने नुक्कड़ नाटक और समूह नृत्य के माध्यम से रक्तदान के महत्व को युवाओं के साथ साझा किया। विद्यार्थियों के बीच रक्तदान से सम्बंधित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित हुई। जिससे रक्तदान से सम्बंधित तमाम भ्रांतियों का निदान भी सामने आया। इस अवसर प्रो. राज कुमार सिंह, प्रो. डीके सिंह, कुलानुशासक प्रो.राकेश द्विवेदी,डॉ. रूपेश कुमार, डॉ. रोहित मिश्र, डॉ.रजनीश यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक और एक कोशिश ऐसी भी के चंद्रशेखर वर्मा आदि उपस्थित रहे।

न्याय का सिद्धांत भारतीय व पाश्चत्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। न्याय का संप्रत्यय सदा ही बदलता रहता हैं तथा यह संप्रत्यय बहुआयामी हैं। प्लेटो, अरस्तू से शुरू होकर राल्स, अमर्त्य सेन तक सभी पश्चिमी विचारकों ने न्याय पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया हैं तथा भारतीय परिप्रेक्ष में महाकाव्यों तथा पुराणों में धर्म को न्याय के समकक्ष रखते हुए न्याय की अवधारणा मिलती हैं। भारतीय आधुनिक चिंतको में रबिन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू आदि ने भी न्याय की अवधारणा को बताया है। उक्त बातें डॉ.रजनी श्रीवास्तव ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए कही। इसके पश्चात सेमिनार का मुख्य भाषण प्रो.बीके अग्रवाल ने दिया उन्होंने अपने व्याख्यान में भगवदगीता के सन्दर्भ में न्याय के विचार को प्रस्तुत किया। कहा कि किन्याय वह सूत्र हैं जो समाज को एक साथ बांधे रहता है, लेकिन यह सूत्र अब कमजोर हो रहा हैं। हमें भगवद्गीता पर फिर से ध्यान देने की जरुरत हैं। उन्होंने भगवदगीता को गहन राजनीतिक ग्रन्थ बताया और जन्म तथा मृत्यु के चक्र द्वारा चित्रित आध्यात्मिक पहलु पर भी जोर दिया। उन्होंने अपने धर्म के अनुसार कार्य करने की प्रधानता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति वीरेन्द्र सिंह, पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपना व्याख्यान दिया। वह आंख के बदले आंख या दांत के बदले दांत का उदाहरण देकर प्रशासनिक न्याय की बात करते की। उन्होंने न्याय की परिभाषा भी दी अर्थात धर्म के निकट बताया। वह न्याय को सदगुण या कुछ को कानून का शासन मानता है। अपने भाषण में उन्होंने भारतीय से लेकर पश्चिमी परिप्रेक्ष्य तक न्याय की अवधारणा को छुआ। उन्होंने भारत में न्याय के चार क्षेत्रों को बताया जिसमें सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं विधिक सामिल हैं । सामाजिक न्याय हमेशा भारतीय संविधान की नींव है। उन्होंने भारतीय कानून व्यवस्था पर अपना दृष्टिकोण दिया है। न्यायमूर्ति सिंह की अंतिम टिप्पणी यह है कि न्याय विचारों की शुद्धता में व्याप्त होना चाहिए। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. पी.केशव कुमार का व्याख्यान सामाजिक न्याय और सामाजिक सम्मान के संदर्भ में रॉल्स से अंबेडकर तक केंद्रित था। उनकी मुख्य धारणा यह है कि न्याय की अवधारणा को लोगों के साथ सामान व्यवहार से अर्थ मिलता है। न्याय सरल, महान और समाज में व्याप्त असमानताओं को दूर करने वाला होना चाहिए।

लविवि में जेआरएफ की प्रवेश परीक्षा आयोजित

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने अपने एमकाम वाणिज्य के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क नेट/जेआरएफ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को लेकर (सुपर 30 3.0) प्रवेश परीक्षा का आयोजन विभाग में किया। विभागाध्यक्ष प्रो.राम मिलन के निर्देशन में यह प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

i-NEXT PAGE 4

एलयू में भी हुआ आयोजन

एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने हेल्थ कैंप लगाया. मुख्य अतिथि संगीता साहू, डीडब्ल्यूएस ने हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया. यह आयोजन एबॉट इंडिया लिमिटेड की ओर से किया गया. इस केंद्र में महिला छात्रावास में रहने वाली छात्राओ का थायरॉइड एवं ब्लड टेस्ट किया गया. इस दौरान अंतर विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ. जिसमें रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रेजेंटेशन, नुक्कड़-नाटक एवं इनोवेटिव आईडिया /साइंटिफिक प्रेजेंटेशन, स्टोरी टेलिंग एवं फार्माटून्स कार्यक्रम हुए. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जीएन सिंह, सीएम के वैज्ञानिक सलाहकार, पूर्व ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय मौजूद रहे.

सुपर 30 की हुई प्रतियोगी परीक्षा

LUCKNOW: लखनऊ यूनिवर्सिटी में सोमवार को कॉमर्स डिपार्टमेंट की ओर से अपने एमकॉम कॉमर्स के स्टूडेंट्स के लिए फ्री नेट/जेआरएफ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए सुपर 30 3.0 प्रवेश परीक्षा कराई गई. यह परीक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन की अध्यक्षता में हुई. उन्होंने परीक्षा का दौरा भी किया. परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में सुपर 30 के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा अपने एमकॉम वाणिज्य के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क नेट और जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए सुपर 30 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन विभाग में किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो0 राम मिलन के निर्देशन में यह प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

TOI PAGE 3

LU holds entrance for free coaching

The commerce department of Lucknow University on Monday conducted an entrance test to select candidates from its postgraduate students for free coaching classes. The coaching will prepare students for NET-JRF. "The initiative was started in 2019 but discontinued in 2020 due to Covid-19 pandemic. Of 30 candidates in the first batch, 22 cleared NET and JR," said commerce faculty HoD Prof Ram Milan.

Blood donation camp at LU

A blood donation camp was organised at Lucknow University's social work department on the birth anniversary of BJP ideologue Pt Deendayal Upadhyay on Monday. Total 55 volunteers, including students and teachers, donated blood on the occasion. An event was also held at Khwaja Moinuddin Chisti Language University to remember Upadhyay.

LU launches its WhatsApp channel

To help its students get all exam-related notices, information and others on a single platform, LU has launched its official WhatsApp channel. Any student wishing to stay updated on results, examination, admission and others can get information through this platform. "If students fail to find any notice on website, they can find it on the channel," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

THE PIONEER PAGE 2

ORIENTATION

The Legal Aid Centre established at Faculty of Law, University of Lucknow, conducted its orientation programme for the academic session 2023-24 under the guidance of Prof BD Singh. The team of Legal Aid Centre explained its motto, which is 'To promote equal access to justice for all'. The team briefed the attendees about the working of the centre and its initiatives taken in the previous years for the accomplishment of its motto. Anshika Yatharth, a member at Legal Aid Centre, elaborated upon the survey conducted on marital rape. She also mentioned gender sensitisation workshop, pride parade and International Women's Day Fiesta.